दावोस में छाया ब्रांड यूपी, 10 हजार करोड़ निवेश के एमओयू

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। स्विटजरलैंड के दावोस में वर्ल्ड इकोनामिक फोरम में ब्रांड यूपी छाया है। पांच दिवसीय आयोजन में अभी तक पांच बड़े समझौते (एमओयू) हुए हैं। प्रदेश में 10,000 करोड़ रुपये के निवेश के लिए हुए समझौतों पर मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने हस्ताक्षर किए। इसके अलावा कई अन्य एमओयू अंतिम चरण में हैं।

यूपी में विमानन ईंधन उत्पादन की सबसे बड़ी इकाई स्थापित होगी। इस संबंध में एएम ग्रीन्स के संस्थापक और सीईओ अनिल के. चलमालासेट्टी ने उत्तर प्रदेश में सबसे बड़ी स्थायी विमानन ईंधन उत्पादन इकाई स्थापित करने के लिए 6000 करोड़ के निवेश का समझौता किया है। यह ऐतिहासिक समझौता उत्तर प्रदेश को हरित उद्योगों के लिए एक आकर्षक गंतव्य के रूप में स्थापित करेगा।

कोका कोला के कार्यकारी उपाध्यक्ष व सीओओ हेनरिक ब्रॉन के साथ हुए समझौते के तहत यूपी में कोका कोला की बॉटलिंग संयंत्रों व वितरण नेटवर्क का विस्तार किया जाएगा। इसमें 2500 करोड़ रुपये का निवेश होगा। दूसरा समझौता बडवाइजर बीयर बनाने वाली बेल्जियम की कंपनी अनहेयजर-बुश इनबेव के साथ हुआ। कंपनी ने यूपी में नए मैन्युफैक्चरिंग प्लांट के लिए 1,000 करोड़ रुपये के निवेश समझौता किया। बिसलेरी इंटरनेशनल लिमिटेड ने उत्तर प्रदेश में एक बॉटलिंग प्लांट स्थापित करने के लिए 200 करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

पेय पदार्थ बनाने वाली एक अन्य कंपनी हेनेकेन ने भी एमओयू किया। इसके सीईओ डॉल्फ वैन डेन ब्रिंक और यूपी प्रतिनिधिमंडल की उपस्थिति में उन्नाव में डिस्टिलरी इकाई स्थापित करने के लिए करार हुआ। यूपी प्रतिनिधिमंडल की जेएसडब्ल्यू स्टील के प्रबंध निदेशक सज्जन जिंदल और लुलु ग्रुप के युसुफ अली के साथ भी बैठक हुई। लुलु समूह छोटे शहरों में भी मॉल खोलने की योजना बना रहा है। इनबेव के भारतीय क्षेत्र के अध्यक्ष कार्तिकेय शर्मा ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस मौके पर मुख्यमंत्री के सचिव अमित सिंह, इन्वेस्ट यूपी के अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रथमेश कुमार और ऊर्जा संसाधन विभाग के निदेशक अनुपम शुक्ला मौजूद थे।

दुनिया की सबसे बड़ी बीयर निर्माता कंपनियों में से एक अनहेयजर-बुश इनबेव बडवाइजर, कोरोना और स्टेला आर्टोईस जैसे प्रसिद्ध ब्रांड्स के लिए जानी जाती है। 50 से अधिक देशों में संचालन और 100 से अधिक बाजारों में पहुंच रखने वाली कंपनी का यूपी में निवेश करने का निर्णय राज्य के औद्योगिक और आर्थिक विकास के लिए मील का पत्थर है।

राज्य की औद्योगिक निवेश एवं रोजगार प्रोत्साहन नीति 2022 और खाद्य प्रसंस्करण नीति 2023 के तहत प्रदेश सरकार अनहेयजर-बुश इनबेव जैसी कंपनियों को 42% तक की पूंजी सब्सिडी और 100% एसजीएसटी रिफंड (जो निवेश के 300% तक सीमित है), स्टांप शुल्क और बिजली शुल्क में छूट देगी। परियोजना यमुना औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) में 1000 हेक्टेयर जमीन पर स्थापित होगी।

दावोस में हुए दोनों समझौतों पर मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने हस्ताक्षर किए। - विभाग

कोका कोला और बडवाइजर बीयर निर्माता कंपनी ने यूपी सरकार के साथ किए समझौते

इन्वेस्ट यूपी पवेलियन में ओडीओपी को लेकर उत्सुकता

इन्वेस्ट यूपी पवेलियन में लोगों को प्रदेश की औद्योगिक नीति और एक जिला-एक उत्पाद (ओडीओपी) को लेकर काफी उत्सुकता है। 19 जनवरी को मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने यूपी और ज्यूरिख के बीच बुनियादी ढांचे के विकास व विमानन संबंधों को मजबूत करने के लिए ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशनल के प्रबंध निदेशक डैनियल बिर्चर से मुलाकात की थी। 20 जनवरी को प्रतिनिधिमंडल ने प्लेनेट लैब्स के सीईओ विलियम मार्शल से मिले थे। प्लेनेट लैब डाटा लैब स्थापित करने में मदद करेगी। प्लैनेट लैब्स एयरोस्पेस और डाटा एनालिटिक्स कंपनी है।